कोलकाता□ सांस्कृतकि वरिासतों को सहेजने, धीमा आर्थकि वकिास और वस्थिापन की धीमी रफ्तार के चलते ही कोलकातावासी मानसकि तनाव से मुकाबला करने में सक्षम हु□ है और अन्य महानगरों की तुलना में यहां के लोगों में खुदकुशी की दर भी कम हुई है□ यह दावा □क वशिेषज्ञ ने कयिा है□

वशि्व स्वास्थ्य संगठन की सलाहकार मनोचकित्सिक लक्ष्मी वजियकुमार ने कहा, “अन्य महानगरों के वपिरीत कोलकाता अर्थव्यवस्था के नजरयि से तेजी से नहीं ब□ा है□ वकिास बहुत धीमा रहा है और शहर रातों-रात बदला नहीं है□ इससे लोगों को चीजों को सुलझाने में और तनाव से बेहतर तरीके से नपिटने में मदद मलिी है□”

अवसाद और आत्महत्या के चलन पर चर्चा करने के लि□ लाइफलाइन फाउंडेशन द्वारा आयोजति 16वें नेशनल बीफ्रेंडर्स इंडयिा कांफ्रेंस से इतर वचिार रखते हु□ लक्ष्मी ने कहा कि अन्य महानगरों में शहरी तनाव का स्तर कोलकाता की तुलना में बहुत ज्यादा है□

उन्होंने कहा, “तनाव शक्षिा से जु□ा है□ ज्यादा डग्रियिां मतलब महती आकांक्षा□ और नाकाम होने पर नराशि□”

राष्ट्रीय अपराध रकिॉर्ड ब्यूरो के ताजा आंक□ों के अनुसार कोलकाता में खुदकुशी की दर महज 2.6 प्रति लाख है जबकि चेन्नई इस सूची में 29 प्रति लाख के आंक□ के साथ सबसे ऊपर है□ बेंगलूर दूसरे नंबर पर आता है जहां □क लाख में से 24 लोग खुदकुशी कर लेते हैं□ दल्लिी और मुंबई में यह आंक□ा क्रमश: 9 और 7 है□

भारत में औसतन हर घंटे 15 लोग आत्महत्या कर लेते है□

लक्ष्मी ने कहा कि कोलकाता ने जसि तरह परंपराओं का पालन करते हु□ और सांस्कृतकि वरिासतों को सहेजते हु□ अपनी ज□ों से नाता बनाये रखा है, उससे भी लोगों को तनाव से नपिटने में मदद मलिती है□

(भाषा)